

18/1/24

बार-बार आवाज लगाने के बाद भी न तो
कमीलोर न ही कमी अधिकता उपो हुये।
पत्रो असा बप्परी असा पैरवी में खासिय
की पाली हें। पत्रो फंसल शुमार की
पाकर नैवा से कम की पावे। बाद
पास्ता पाखिल दफतर ही।